भौगोलिक खोजें

महत्वपूर्ण तथ्य:- विश्व इतिहास में समुद्री यात्रा एवं भौगोलिक खोजो का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। प्रारंभिक काल में व्यापार मुख्यतः एक निश्चित मार्ग से होता था। परंतु विश्व के कई ऐसे क्षेत्र थे जहां जन-जीवन तो विद्यमान था लेकिन से शेष विश्व से उनका जुड़ाव नहीं था। इसलिए व्यापार बढ़ाने के उद्देश से कालांतर में व्यापक स्तर पर भौगोलिक खोजें हुई ।

भौगोलिक खोजो के लिए दिशासूचक यंत्र का ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक था। अतः यूरोप वासियों ने कंपास का ज्ञान अरबों से सीखा। नाव निर्माण कला में परंपरागत पद्धति की जगह खाँचा पद्धति का विकास हुआ जिससे बड़े एवं मजबूत जहाज बनाए जाने लगे ।फलस्वरुप 1436 ई० में पुर्तगाली व्यापारी बार्थोलोमियो डियाज़ अफ्रीका के पश्चिमी तट होते हुए दक्षिणतम बिंदु उत्तमासा अंतरीप तक पहुंच गया। 1492 ई० में क्रिस्टोफर- कोलम्बस द्वारा अमेरिका की खोज की गई I 1498 ई० मैं पुर्तगाल का एक साहसी नाविक वास्कोडिगामा उत्तमाशा अंतरीप होते हुए भारत के मालाघट तट तक पहुंच गया। प्रारंभ में वास्कोडिगामा द्वारा खोजे गए अमेरिका अर्थात नई दुनिया को भारतीय उपमहाद्वीप का हिस्सा समझ गया बाद में स्पेन के नागरिक और नाविक अमीरेगु वेस्पुची ने नई दुनिया को विस्तार से ढूंढा तथा उसी के नाम पर इसका नाम अमेरिका पड़ा। 1519 ई० में मैग्लेन ने पूरी दुनिया का चक्कर लगाया तथा इस बात की पुष्टि की कि सभी समुद्र एक दूसरे से जुड़े हैं।

इस प्रकार 16 वी शताब्दी के पूर्वाद्ध तक लगभग समस्त दुनिया की जानकारी यूरोप को हो चुकी थी। भौगोलिक खोजो के परिणाम काफी दूरगामी तथा महत्वपूर्ण साबित हुए। इस घटना से पहली बार संसार के सभी लोग एक दूसरे से परिचित हुए।

भौगोलिक खोजो के परिणाम मुख्यतः निम्न हुए:-

(i) नए देशों की खोज एवं में व्यापारी संपर्कों ने यूरोपीय व्यपार वाणिज्य में क्रांतिकारी परिवर्तन लाए। उपनिवेशों के आर्थिक शोषण से यूरोपीय देश समृद्ध होने लगे। इस प्रगति ने

यूरोपीय व्यापार को चारमोल्कर्षक पर पहुंचा दिया तथा व्यपार में हुंडी, ऋण-पत्र आदि का विकास हुआ।

(ii) भौगोलिक खोजों के उपरांत उपनिवेशों पर आधिपत्य को लेकर यूरोपीय देशों में आपस में प्रतिस्पर्धा चलती रही I अतः व्यापार के माध्यम में भी परिवर्तन हुआ I अब व्यक्तियों की जगह संगठित व्यापारिक कम्पनियों ने व्यापार करना प्रारम्भ कर दिया।

(iii) वैश्विक स्तर पर व्यापार के विकास के साथ-साथ आधुनिक पूंजीवाद का जन्म हुआ जिसकी वजह से यूरोपीय देशों का ध्यान सोने ने अपनी ओर आकृष्ट किया। अतः अन्तर्राष्ट्री स्तर पर सोने तथा चाँदी की लूट-पाट तथा संग्रह शुरू हुआ।

(iv) भौगोलिक खोजों के दौरान तथा बाद में अपने उपनिवेशों में यूरोपीय देशों ने अपनीसभ्यता, संस्कृति, धर्म एवं साहित्य का प्रचार-प्रसार शुरू किया। इससे ईसाई धर्म एवं सभ्यता का प्रचार-प्रसार शुरू हो गया I भौगोलिक खोजों के परिणामस्वरूप विकसित व्यापार-वाणिज्य में मानव-श्रम की महत्ता ने दास-व्यापार को प्रोत्साहित किया।

(vi) भौगोलिक खोजों ने भौगोलिक ज्ञान से जुड़ी हुई कई भ्रान्तियों को दूर किया। इससे नए-नए आविष्कारों का जन्म हुआ। समुद्री यात्राओं ने भौगोलिक खोजों से जुड़े उपकरणों, जैसे नवशे, कम्पास, नक्षत्र प्रणाली आदि का विकास हुआ।

(vii) भौगोलिक खोरों से विभित्र प्रकार की नवीन फसलों का आदान-प्रदान हुआ।इस प्रकार भौगोलिक खोजों से विश्व की एक नई रूपरेखा सामने आई। विचारों में परिवर्तन आया तथा वैज्ञानिक आविष्कार हुए। धार्मिक